

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पढ़ने के लिए नोकिया चेयरमैन ने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में लिया दाखिला; कहा- नॉलेज बढ़ाने की कोई उम्र नहीं

एजेंसी | हेलसिंकी (फिनलैंड)

आप सीईओ हों या सामान्य कर्मचारी, जवाबदेही होना जरूरी : रिस्तो

नोकिया चेयरमैन रिस्तो सिलास्मा इन दिनों चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) कोर्स में दाखिला लिया है। जिस कंपनी को वो चला रहे हैं, वो टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन के लिए जानी जाती है। ऐसे में उनके पढ़ने-लिखने को लेकर लोग चर्चाएं कर रहे हैं। पर रिस्तो को 51 साल की उम्र में फिर से स्टडी में जुड़ने में जरा भी हर्ज नहीं है।

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के ऑनलाइन समर कोर्स में जुड़ने वाले रिस्तो बताते हैं कि वे एआई और प्रोग्रामिंग के बारे में ज्यादा नॉलेज रखना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने 30 साल बाद फिर पढ़ाई करने का फैसला लिया है। रिस्तो कहते हैं कि मैं कोई एआई प्रोग्रामर नहीं बनना चाहता। बस मैं इसकी



नोकिया में अपने संघर्ष के बारे में बताते हुए रिस्तो कहते हैं, 'इस दौरान मैंने जो सबसे बड़ा सबक सीखा, वह 'ओनरशिप' है। लोग किराये पर ली गई कार नहीं धोते हैं, क्योंकि उनमें ओनरशिप की भावना नहीं है। कंपनी में काम करते समय यही भावना रहती है। आप उसे अपना नहीं समझते, इसलिए लंबा नहीं जाते। जब ओनरशिप महसूस करते हैं तो आप तुरंत उस चीज पर ध्यान देते हैं जो नहीं चल पा रही है। तब आप अपनी भूमिका की चिंता भी नहीं करते। जवाबदेही बहुत जरूरी है। चाहे सीईओ हों या कर्मचारी। खासकर उस प्रोफेशन में जहां आप लोगों को सशक्त बना रहे हैं।'

क्षमताओं और सीमाओं को गहराई से समझना चाहता हूँ। मैंने अपने इस फैसले के बारे में बारों में बोर्ड और मैनेजर्स को भी पहले ही बता दिया था। मैं इस मामले में जागरूकता बढ़ाना चाहता हूँ। क्योंकि अभी जो औद्योगिक क्रांति हो रही है उसकी मुख्य वाहक एआई ही है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के रिसर्चर्स के सफल प्रयोगों ने फाइनेंस से लेकर हेल्थकेयर तक कई व्यवसायों का ध्यान खींचा है। कंपनियां इससे मिल रहे डाटा पैटर्न

का इस्तेमाल लोगों की समस्याओं का हल ढूँढ़ने में कर रही हैं। टेलीकॉम ऑपरेटर्स द्वारा जुटाए गए डाटा का एनालिसिस और इसके आधार पर यूजर्स को ज्यादा पावरफुल व ज्यादा पर्सनलाइज्ड सर्विस देने वाले सॉफ्टवेयर बनाना ही नोकिया का लक्ष्य है।

नोकिया ने इस साल एआई से जुड़े एप्लीकेशन देना शुरू किए हैं। इनमें ट्रबलशूटिंग नेटवर्क, बॉटलनेक्स और ड्राइवरलेस कारों व स्मार्ट सिटी में इस्तेमाल

होने वाला ट्रैफिक एनालिसिस भी शामिल है। रिस्तो को इस बात के लिए सराहना भी मिली है कि उन्होंने एक बीमार मोबाइल कंपनी का इलाज कर उसे दुनिया के बड़े टेलीकॉम उपकरण निर्माताओं में लाकर खड़ा कर दिया है। नोकिया ने 2014 में फोन बिजनेस माइक्रोसॉफ्ट को बेचा था। हाल ही में एचएमडी ग्लोबल के साथ ब्रांड लाइसेंसिंग डील के जरिए कंपनी दोबारा स्मार्टफोन मार्केट में उतरी है।